

कि कोई दस्तावेज या उसकी प्रतिलिपि या नकल ठीक और ज्यों-का-त्यों है Verification 3. लेख्य आदि पर उसके ठीक होने की बात लिखकर हस्ताक्षर करना attested पर्या. साक्ष्यांकन, तसदीक, अनुप्रमाणन।

**प्रत्यक्ष साक्षी वि.** (तत्.) जिसने किसी घटना को स्वयं देखा हो, आँखों देखी बात बताने वाला, प्रत्यक्षदर्शी, गवाह, चश्मदीद गवाह।

**प्रत्यक्षवादी वि.** (तत्.) प्रत्यक्षवाद का अनुयायी या समर्थक दे. प्रत्यक्षवाद।

**प्रत्यक्षीकरण पुं.** (तत्.) इंद्रियों द्वारा ज्ञात कराने की क्रिया, किसी वस्तु या विषय को प्रत्यक्ष रूप देना, किसी वस्तु या विषय को सामने उपस्थित अथवा प्रस्तुत करना वि. प्रत्यक्षीकृत, आँखों से देखा हुआ, स्वयं देखा हुआ।

**प्रत्यगात्मा पुं.** (तत्.) परमात्मा, ब्रह्म, जीवात्मा।

**प्रत्यगृष्टि स्त्री.** (तत्.) अंतःदृष्टि।

**प्रत्यग्र वि.** (तत्.) ताजा, नया, नूतन, शोध हुआ, अभिनव, जिसे दुहराया गया हो, शुद्ध, विशुद्ध।

**प्रत्यग्रता नियम पुं.** (तत्.) यह व्यवहार कि जो अभी हाल में आया है उसे वरीयता दी जाएगी, 'पहले आओ पहले पाओ' का नियम।

**प्रत्यनीक पुं.** (तत्.) शत्रु, दुश्मन, वैरी, प्रतिपक्षी, विपक्षी, विरोधी।

**प्रत्यनुवादी वि.** (तत्.) जिससे या जिसमें गूँज न हो, प्रतिध्वनि न करने वाला, अनुनाद के गुण से विहीन।

**प्रत्यपकार पुं.** (तत्.) अपकार के बदले में किया जाने वाला अपकार, प्रतिशोध, बदले में की जाने वाली क्षति।

**प्रत्यब्द अव्य.** (तत्.) हर वर्ष, हर साल क्रि.वि. हर वर्ष में, हर साल के हिसाब से।

**प्रत्यभिज्ञा स्त्री.** (तत्.) किसी देखी हुई वस्तु को कुछ समय बाद पुनः देखने पर पहली के साथ उसकी पहचान या प्रतीति, किसी देखी हुई वस्तु की तरह अन्य किसी वस्तु को देखने पर

याददाश्त या स्मृति से होने वाला ज्ञान, जानना, पहचानना या यह ज्ञान कि जीवात्मा और परमात्मा एक दूसरे से भिन्न नहीं है, परमात्मा और जीवात्मा के अभेद होने का ज्ञान।

**प्रत्यभिज्ञान पुं.** (तत्.) दे. प्रत्यभिज्ञा। recognition

**प्रत्यभिवादन पुं.** (तत्.) प्रणाम के प्रत्युत्तर में दिया जाने वाला आशीर्वाद, नमस्कार के बदले नमस्कार।

**प्रत्यभिवृत्ति स्त्री.** (तत्.) किसी कार्य विशेष को न करने का प्राकृतिक रुझान, किसी काम को न करने का रवैया या मनोवृत्ति।

**प्रत्यम्ल पुं.** (तत्.) अम्लनाशक, अम्लध्न।

**प्रत्यय पुं.** (तत्.) 1. खटाई-मार धारणा, बोध, प्रतीति, विचार, ख्याल, भाव, जानकारी, अनुभव, संज्ञान; हेतु, कारण, आधार, क्रिया का साधन, चिह्न लक्षण 2. शब्दांश जो स्वतंत्र प्रयुक्त न हो परंतु अन्य किसी शब्द के अंत में जुड़ कर एक नया शब्द बना देते हों उदा. 'जड़ता' में 'ता' प्रत्यय है, परसर्ग Suffix व्याकरण में वर्णित उपसर्ग, आगम और प्रत्यय समाविष्ट हैं, इन्हें क्रमशः आदिप्रत्यय, मध्यप्रत्यय और अंत्य प्रत्यय कहा जाता है 3. विश्वास, प्रमाण, भरोसा, साख, ऐतबार, यकीन, निश्चय।

**प्रत्यय कारक वि.** (तत्.) विश्वास दिलाने वाला, भरोसा देने वाला।

**प्रत्यय पत्र पुं.** (तत्.) परिचय-पत्र, प्रत्यय-योग्य बनाने वाला प्राधिकार-पत्र विधि. किसी प्रतिनिधि को दिया जाने वाला ऐसा प्राधिकार-पत्र जिसके बल पर सामने वाला पक्ष उसके सही प्रतिनिधि होने का विश्वास कर सके राज. मनोनीत राजदूत को राष्ट्राध्यक्ष/राज्याध्यक्ष (जैसे राष्ट्रपति) द्वारा दिया गया वह औपचारिक दस्तावेज जिसे अपनी नियुक्ति के देश में वहाँ का राष्ट्राध्यक्ष/राज्याध्यक्ष को प्रस्तुत करके वह अधिकृत रूप से अपना पद ग्रहण करता है।

**प्रत्यय योजन पुं.** (तत्.) शब्दों में प्रत्यय जोड़ने की प्रक्रिया।